इनके चंगुल से बचें

जुही

गांव में खबर आग की तरह फैल गई। कैलाश पर्वत पर तप करके रेशम बाबा तुलबुल गांव में आ गए थे। पंचायत घर के सामने वाले चबूतरे पर उन्होंने अपना आसन जमाया था। दो नौजवान भक्त उनके आस-पास मंडराते रहते थे। सेवा-टहल का जिम्मा गांव वालों के ऊपर था।

रेशम बाबा बोलते नहीं थे। बस, इशारे से बात करते थे। या फिर कागज पर लिखकर अपने चेलों को पकड़ा देते। चेले पर्ची पढ़कर बाबा की मनोकामना लोगों को बताते। रेशम बाबा के किस्से दूर गांवों तक मशहूर थे। कहते थे उनके पास असीम शफ़ा है। सबकी इच्छाएं पूरी करते हैं। उनके आशीर्वाद से न जाने कितनी औरतों ने बेटों को जन्म दिया था। इसलिए दूर-दूर से लोग उनके दर्शन करने आ रहे थे।

बच्चे की चाह

देवकी और गिजुभाई ने भी खबर सुनी। उनकी शादी को सात साल हो गए थे। पर अभी तक बच्चा नहीं हुआ था। ऐसा नहीं था कि देवकी को गर्भ नहीं ठहरता था। पर गर्भवती होने के दो-तीन महीने बाद ही गर्भपात हो जाता था। दोनों पति-पत्नी बड़े दुखी थे। झाड़-फूंक, मान-मनौती, व्रत-उपवास सभी कर चुके थे। अब तो रेशम बाबा का ही एकमात्र सहारा था।

दूसरे दिन सवेरे-सवेरे नहा-धोकर देवकी और गिजुभाई बाबा के दर्शन करने गए। लोगों की भीड़ में इंतजार करते-करते शाम हो गई। तब कहीं जाकर उनकी बारी आई। गिजुभाई ने अपनी दास्तान कह सुनाई। बाबा ने ध्यान से उसकी बात सुनकर, एक कागज पर कुछ लिखकर अपने चेले को पकड़ाया।

चेले ने गिजुभाई को बताया तुममें कोई दोष नहीं है। पर देवकी पर बुरे साए का प्रकोप है। इसलिए इसकी झाड़-फूंक करनी होगी। पर यह काम अकेले में होगा। नहीं तो आत्मा देवकी से निकल कर तुममें घुस जाएगी। इससे तुम्हारी मौत हो सकती है। संतान के लोभ में गिजुभाई तैयार हो गया।

बाबा का प्रपंच

बाबा ने उसे सात दिन के लिए गांव छोड़ने को कहा। साथ ही कुछ हवन सामग्री, पैसे, कपड़े आदि लाने को कहा। देवकी को उन्होंने अपने पास रोक लिया। कहा, इलाज कल से शुरू होगा।

गिजुभाई दूसरे दिन शहर चला गया। बाबा ने रात तक इंतज़ार किया। बाबा ने देवकी को नए कपड़े पहना कर एक चौकी पर बैठाया। फिर कुछ मंत्र जपने लगे। एक पुड़िया में से सफेद सी भस्म निकालकर देवकी को खिला दी। भस्म खाते ही देवकी बेहोश हो गई। बाबा और उनके चेलों ने मिलकर देवकी का बलात्कार किया। ऐसा छः दिन तक रोज चलता रहा। दिन में वह देवकी के मुंह में कपड़ा ठूंस कर उसे बांधकर रखते। शाम को नशा कराकर, बलात्कार करते। देवकी को उन्होंने धमकी भी दी कि अगर उसने भागने की कोशिश की तो गिजुभाई को मार दिया जाएगा।

देवकी की हिम्मत

मौका पाकर देवकी एक दिन भाग खड़ी हुई। बाबा के पैरों तले जमीन खिसक गई। अपना आसन डांवा-डोल होते देख वह रातों-रात भाग खड़ा हुआ। दूसरे दिन गिजुभाई लौटा। देवकी की अधमरी हालत देखकर उसने थाने में रपट लिखाई।

हमारे अंधविश्वासों का फायदा उठाकर यह हमें ठगते हैं। किसी भी बात को या विश्वास को मानने से पहले, उस पर सोचें-विचारें, सवाल उठाएं। अगर हम इन कपटी बाबाओं का भांडा-फोड़ दें तो इनकी दुकानदारी नहीं चलेगी। तभी चमत्कार और अंधविश्वासों की आड़ में होने वाली धोखा-धड़ी खत्म होगी।

देवकी और गिजुभाई की हिम्मत देखकर गांव के दूसरे लोग भी उनके साथ हो लिए। पता चला कि बाबा ने न जाने कितनी औरतों का बलात्कार किया। डरा-धमकाकर उन्हें चुप रखा। साथ ही गहने-रुपए लूटे सो अलग। इज्ज़त के डर से ज्यादातर लोग चुप रहते थे।

इधर थाने में रपट हुई, उधर पंचायत ने पुलिस पर दबाव डाला। फ़ैसला किया कि बाबा को गिरफ्तार करा जाए, वह सारा लूटा पैसा वापस करे, जुमार्ना भरे तथा उस पर मुकदमा चलाया जाए। लोगों और पुलिस की कोशिश रंग लाई। पास के गांव में रेशम बाबा को गिरफ्तार किया गया। अदालत में मुकदमा चला। बाबा को उम्र कैद हुई।

देवकी, गिजुभाई और गांववालों ने हिम्मत की तो बाबा गिरफ्तार हो गया। पर बाबा एक तो नहीं। गांव-गांव में कितने ही बाबा, भोपे, ओझा लोगों के साथ छल-कपट करते हैं। तरह-तरह के चमत्कार दिखाते हैं और अपना उल्लू सीधा करते हैं।

समझदारी से काम लें

झाड़-फूंक, टोने-टोटकों से न तो बच्चे पैदा होते हैं और न ही बीमारियों का इलाज। ज़ख्म पर सिंदूर भरने, धूनी रमाने, गोबर लीपने से कोई भूत-प्रेत नहीं भागते। किसी बाबा की भभूत, आशीर्वाद बेटा पैदा नहीं कराते। इन सबके पीछे दूसरे कारण होते हैं। शरीर की छोटी-मोटी बीमारियां आप ही ठीक हो जाती हैं, न कि चमत्कार से। पर हम अपने अंधविश्वासों के कारण ही ऐसा यकीन करते हैं। मान लीजिए एक-आध औरत के बेटा हो भी गया, तो यह नहीं कि सबको बेटा होगा। बच्चे का लिंग तो बाप के गुणसूत्र पर निर्भर होता है।

हमारे अंधविश्वासों का फायदा उठाकर यह हमें ठगते हैं। अगर हम इनका भांडा फोड़ दें तो इनकी दुकानदारी नहीं चलेगी। किसी भी बात को या विश्वास को मानने से पहले, उस पर सोचें-विचारें, सवाल उठाएं। तभी चमत्कार और अंधविश्वासों की आड़ में होने वाली धोखा-धड़ी खत्म होगी। □